आज का सुविचार

सफलता पहले से की गयी तयारी पर निर्भर है, और बिना ऐसी तयारी के असफलता निश्चित है।

साप्ताहिक

युवा प्रदेश

Freedom Of Speech

RNI. NO. MPHIN/2015/76299

संपादक-नागेश नरवरिया

YP24 NEWS

जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है.. संपर्क करे -9425156055

वर्ष 9, अंक- 55 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 21 फरवरी 2025 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

अधिकारी कानून के अनुसार कर्तव्य का पालन करता है तब न्यायालय किस प्रकार की जनहित याचिका लगा सकते हैं जानिए/The Indian constitution,1950..।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 32 के अंतर्गत उच्चतम न्यायालय में एवं अनुच्छेद 226 के अंतर्गत उच्च न्यायालय में कोई भी व्यक्ति संविधान में मिले मौलिक अधिकारों के उल्लंघन होने पर कोई भी व्यक्ति जनहित याचिका लगा सकता है। याचिका में न्यायालय पांच प्रकार की रिटो के अंतर्गत कार्यवाही करता है जिसमे प्रथम रिट बंदी-प्रत्यक्षीकरण अर्थात अवैध प्रकार से पुलिस अधिकारी या जेल अधिकारी किसी व्यक्ति बंद करके नही रख सकते हैं इसकी सम्पूर्ण जानकारी पिछले लेख में दे दी गई है। आज हम जानते हैं कि क्या है दूसरी रिट परमादेश रिट।

युवा प्रदेश समाचार पत्र

- लेखक बीआर अहिरवार(एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद) 9827737665

परमादेश रिट-

परमादेश अर्थात हम इसे आदेश देना भी कह सकते हैं। जब कोई लोक अधिकारी अर्थात शासकीय अधिकारी विधि के अनुसार कार्य नहीं कर रहा है तब ऐसे अधिकारी को विधि के अनुसार काम करवाने के लिए किसी भी व्यक्ति द्वारा न्यायालय में परमादेश रिट याचिका दायर की जा सकती है। न्यायालय ऐसे अधिकारी को आदेश देगा कि विधि के अनुसार कार्य करे।

हम इसको उधारानुसार समझाते हैं-

अगर कोई व्यक्ति किसी RTO कार्यालय में लाइसेंस बनवाने के लिए आवेदन की हर शर्तों को पूरा कर लेता है और वहां का अधिकार उस व्यक्ति का लाइसेंस नहीं बनाता है तब ऐसे अधिकारी के खिलाफ न्यायालय में परमादेश रिट याचिका लगाई जा सकती है, क्योंकि अधिकारी विधि के अनुसार कार्य नहीं कर रहा है। अर्थात किसी भी लोक अधिकारी द्वारा विधि की अवमानना की जा रही है या वह सरकार द्वारा बनाई गई किसी भी विधि का पालन नहीं कर रहा है तब न्यायालय ऐसे लोक अधिकारी को आदेश देगा कि वह विधि को ध्यान में रखकर कार्य करे।

कब परमादेश याचिका नहीं लगाई जा सकती है जानिए-

1. सरकार के खिलाफ दबाव बनाकर कोई अन्य (विधि) कानून बनाने के लिए।
2. किसी अशासकीय संस्था के अधिकारी के खिलाफ।
3. किसी भी लोक अधिकारी या कलेक्टर पर कोई निर्माण कराने के लिए।
4. महगाई भत्ता या पैसो की बढ़ोतरी के लिए।

उपर्युक्त नियमो से स्पष्ट है कि अगर किसी भी अधिनियम के नियमों या धाराओ का कोई अधिकारी पालन नहीं करता है तब व्यक्ति सीधे हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट मे परमादेश जनहित याचिका लगा सकता है।

BNSS:- अग्रिम जमानत हेतु नए कानून में प्रावधान जानिए - Legal General knowledge

भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 482 के अंतर्गत गिरफ्तारी से पहले जमानत प्राप्त करने का अधिकार दिया गया है। ऐसा इसलिए क्योंकि कभी-कभी किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा व आत्म-सम्मान को क्षति पहुंचाने के उद्देश्य से फर्जी आपराधिक मामलों में फंसाने के प्रयास किए जाते हैं। ऐसे प्रतिष्ठित व्यक्ति के फरार हो जाने अथवा न्यायालय के आदेश की अवहेलना किये जाने का संदेह भी नहीं होता है, ऐसी स्थिति में यह आवश्यक हो जाता हैं कि उस व्यक्ति को गिरफ्तारी से पूर्व ही अग्रिम जमानत दे दी जाए। दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 482(1) के अनुसार यदि किसी व्यक्ति को यह विश्वास करने का कारण है कि उसे अजमानतीय अपराध के मामले में गिरफ्तार किया जा सकता है तो वह व्यक्ति क्षेत्र के उच्च न्यायालय या जिला सत्र न्यायालय में अग्रिम जमानत हेतु आवेदन कर सकता है। न्यायालय निम्न शर्तो के अधीन जमानत मंजूर कर सकता है-

अग्रिम जमानत की शर्तें

1. आवश्यकता पड़ने पर व्यक्ति पुलिस अधिकारी के समक्ष पूछताछ के लिए उपस्थित होगा।
2. आरोपी व्यक्ति किसी भी प्रकार से पीड़ित व्यक्ति को उत्प्रेरित नहीं करेगा।
3. न्यायालय की अनुमति के बगैर भारत या क्षेत्र को नहीं छोड़ेगा।

नोट- वे राज्य जिनमें अग्रिम जमानत स्वीकृतियां किये जाने का प्रावधान नहीं है वहाँ उच्च न्यायालय व जिला सत्र न्यायालय गिरफ्तारी से पूर्व जमानत स्वीकृत नहीं कर सकते है।

- लेखक बी. आर. अहिरवार (पत्रकार एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद)

वृहद शास्त्रीय नृत्य मैराथन गिनीज विश्व रिकॉर्ड से बढ़ेगा नृत्य साधकों का मान - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

देश की संस्कृति और नृत्य साधकों के लिए गौरव का क्षण

24 घंटे 9 मिनट 26 सेकंड तक 139 नृत्य कलाकारों ने किया वृहद शास्त्रीय नृत्य मैराथन 51वें खजुराहो नृत्य समारोह का हुआ शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ईश्वर की साधना को समर्पित वृहद शास्त्रीय नृत्य मैराथन गिनीज विश्व रिकॉर्ड से नृत्य साधकों का मान बढ़ेगा। यह देश की संस्कृति और नृत्यसाधको के लिए गौरव का क्षण है। सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और विश्व पटल पर उपलब्धि दर्ज करने का यह सर्वोत्तम साधन है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव खजुराहो में 51वें खजुराहो नृत्य समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गिनीज विश्व रिकॉर्ड से पूरी दुनिया भारत की विविध और समृद्ध संस्कृति से प्रकाशमान होगी। 24 घंटे 9 मिनट 26 सेकंड तक 139 नृत्य कलाकारों की अविरल साधना से बना विश्व रिकॉर्ड न सिर्फ कला साधकों का हौसला बढ़ाएगा बल्कि शासन के संस्कृति और विरासत को सहेजने के प्रयासों को भी गति देगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुंदेलखंड की धरती पावन और पवित्र है। यहाँ पत्थर भी चमकता है तो हीरा कहलाता है। मनुष्य चमकता है तो बुंदेला कहलाता है। वैसे ही बुंदेलखंड में नृत्य होता है तो वह अंतर्राष्ट्रीय खजुराहो नृत्य समारोह कहलाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शास्त्रीय नृत्यों का सृजन भगवान की साधना के लिए किया गया है। जैसे कथकली में भगवान श्रीकृष्ण की रासलीला, जीवन और गतिविधियों को दिखाया जाता है। इसी तरह भगवान नटराज ने तांडव नृत्य और आनंद नृत्य का सृजन किया है।

कथक, भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी, मोहिनीअट्टम, ओडिसी नृत्यों की प्रस्तुति से बना रिकॉर्ड

गिनीज विश्व रिकॉर्ड बनाने का शुभारंभ 19 फरवरी, 2025 को दोपहर 2:34 बजे आरम्भ हुआ, जिसे 20 फरवरी, 2025 दोपहर 2:43 बजे तक नृत्यसाधकों की निरंतर प्रस्तुति से अंजाम तक पहुँचाया गया। इसके परिणामस्वरूप मध्यप्रदेश के नाम एक और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड रच दिया गया। संस्कृति विभाग द्वारा संयोजित गतिविधि में 139 नृत्य कलाकारों ने प्रतिभागिता की और निरंतर 24 घंटे 9 मिनट तक कथक, भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी, मोहिनीअट्टम, ओडिसी नृत्यों की प्रस्तुति दी। वृहद शास्त्रीय नृत्य मैराथन (रिले) की अंतिम प्रस्तुति भरतनाट्यम की थी। गिनीज टीम द्वारा इसे वर्ल्ड रिकॉर्ड घोषित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव को प्रमाण-पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के समक्ष सभी 139 नृत्य कलाकारों ने नृत्य की समवेत प्रस्तुति तराना %अनंत% को प्रदर्शित किया। राज्य मंत्री श्री लोधी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में संस्कृति को सहेजने और उसे विश्व पटल पर अंकित करने के प्रयास किए जा रहे है। इन्हीं प्रयासों के क्रम में यह 6वां गिनीज विश्व रिकॉर्ड बना है। राज्य मंत्री श्री लोधी ने अंतर्राष्ट्रीय खजुराहो नृत्य समारोह के उद्देश्य और आयोजन की रूपरेखा पर प्रकाश डाला।

मुख्य सचिव श्री जैन ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट तैयारियों की समीक्षा की

परीक्षाओं में अवरोध न उत्पन्न होने देने के दिये निर्देश

भोपाल। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने भोपाल में आयोजित होने जा रही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कलेक्टर भोपाल एवं पुलिस-कमिश्नर को निर्देशित किया कि जीआईएस के दौरान होने वाली परीक्षाओं में कोई अवरोध नहीं हो। इसका विशेष ध्यान रखा जाये, कोई भी विद्यार्थी परीक्षा केंद्र तक जाने से वंचित न रह जाये। मुख्य सचिव श्री जैन ने यातायात व्यवस्था, पार्किंग, ई-बस, ई-कार्ड, बैठक व्यवस्था, होटल, स्वास्थ्य, मेहमानों के भोजन, आकस्मिक प्लान, प्रधानमंत्री की आगमन-प्रस्थान व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त कर निर्देशित किया कि सभी अधिकारी अपने दायित्वों को समझकर निर्वहन करें। टीम वर्क के साथ कार्य करें जिससे प्रदेश के आर्थिक विकास में वृद्धि हो सके। बैठक में स्वास्थ्य, नवकरणीय ऊर्जा, नगरीय प्रशासन, कौशल विकास, उद्यानिकी, खनिज साधन, पर्यटन एवं एमएसएमई विभागों ने प्रेजेंटेशन देकर अपनी तैयारियों की जानकारी दी।

ग्वालियर को हर दृष्टिकोण से आदर्श शहर बनायेंगे : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

श्री तोमर ने वार्ड-33 में विभिन्न विकास कार्यों का किया भूमि-पूजन

भोपाल। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने ग्वालियर शहर के वार्ड-33 के अंतर्गत लक्ष्मण तलैया जीर्णोद्धार कार्य व सीसी रोड निर्माण सहित अन्य विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। यह कार्य एक करोड 51 लाख रूपये की लागत से होने जा रहे हैं। मंत्री श्री तोमर ने कहा कि उपनगर ग्वालियर में विकास के नये नये आयाम लिखे जा रहे हैं। इसी क्रम में लक्ष्मण तलैया जैसे ऐतिहासिक स्थल का जीर्णोद्धार होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है, ग्वालियर हर दृष्टिकोण से एक आदर्श शहर बने, जहां हर नागरिक को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हों। मंत्री श्री तोमर ने कहा कि लक्ष्मण तलैया के जीर्णोद्धार के साथ-साथ यहाँ पर एलईडी लाइट, वाटर फाउंटेन, बेंच, शौचालय, बच्चों के खेलने के लिए ग्राउंड आदि कार्य कराये जाएगें। सरकार का प्रयास है कि लक्ष्मण तलैया एक टूरिस्ट प्लेस बने और पर्यटक लक्ष्मण तलैया को देखने आएं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जीर्णोद्धार के साथ ही इसके रखरखाव की जिम्मेदारी भी तय की जाए।

अनमोल आरसीएच पोर्टल के नवीन संस्करण 2.0 का प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं और प्रसूताओं को स्वास्थ्य सेवाओं की ट्रैकिंग और प्रबंधन को करेगा सशक्त

भोपाल। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा विकसित अनमोल आरसीएच पोर्टल के नवीन संस्करण 2.0 को लागू करने हेतु जिलों के प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम भोपाल में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के प्रथम चरण में 138 प्रशिक्षकों को नवीन अनमोल मोबाइल एप्लिकेशन एवं वेबपोर्टल के उपयोग की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में एमडी एनएचएम डॉ. सलोनी सिडाना ने कहा कि अनमोल ऐप के विधिवत उपयोग से बेहतर मॉनिटरिंग सुनिश्चित होगी। जिससे गर्भवती महिलाओं, प्रसूताओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य का बेहतर प्रबंधन होगा।

अनमोल आरसीएच पोर्टल एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जो गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं और प्रसूताओं को दी जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की ट्रैकिंग और प्रबंधन को सरल बनाता है। नवीन संस्करण में गर्भवती महिलाओं के पंजीकरण, हाई-रिस्क गर्भावस्था की पहचान, प्रसव संबंधी रिकॉर्ड, नवजात एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की एंट्री की प्रक्रिया को अधिक सुगम बनाया गया है। इससे जिले और राज्य स्तर पर इन सेवाओं की प्रभावी निगरानी की जा सकेगी। यह पोर्टल मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से मातृ शिशु संजीवन मिशन के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से जननी सुरक्षा योजना और प्रसूति सहायता योजना के भुगतान को समग्र ई-केवाईसी आधारित बनाया गया है, जिससे पात्र हितग्राहियों को समय पर और पात्रतानुसार राशि का भुगतान सुनिश्चित किया जा सकेगा।

पुरानी सी मैं, नई बनकर लौट रही हूँ
पुरानी सी इन बंदिशों को तोड़ रही हूँ

उड़ना चाहती हूँ खुले आसमान में,
इसलिए परों को खोल रही हूँ ।

नई सोच के साथ आगे बढ़ना है मुझे,
इसलिए अब पुराने विचारों को छोड़ रही हूँ ।

जीवन को जिंदादिली से जीना चाहती हूँ मैं ,
इसलिए जीवन को नई दिशा की ओर मोड़ रही हूँ ।

कुमारी दीप्ति बाजपेई
जगदलपुर (बस्तर) छत्तीसगढ़।

सहकारिता में निवेश और नवाचार को मिलेगा बढ़ावा - मंत्री श्री सारंग

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में सहकारिता विभाग का विशेष सत्र

सहकारिता मंत्री ने की तैयारियों की समीक्षा

भोपाल। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-भोपाल में सहकारिता विभाग के विशेष सत्र की तैयारियों को लेकर विभागीय अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक में मंत्री श्री सारंग ने सहकारिता क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए पब्लिक को-ऑपरेटिव पार्टनरशिप (पीसीपी) मॉडल को अपनाने के साथ देश की प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ एमओयू कर पैक्स द्वारा निर्मित उत्पादों के विपणन को लेकर भी दिशा-निर्देश दिये। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल, अपेक्स बैंक के प्रभारी प्रबंध संचालक श्री मनोज कुमार गुप्ता, बीज संघ के प्रबंध संचालक श्री महेंद्र दीक्षित उपस्थित रहे।

पीसीपी मॉडल से सहकारिता क्षेत्र में संभावनाएँ: मंत्री श्री सारंग ने कहा कि सहकारिता क्षेत्र को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए पीसीपी मॉडल को बढ़ावा दिया जायेगा। इस मॉडल में सहकारी समितियों को उद्यमशीलता की दिशा में आगे बढ़ाते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जायेगा। इससे प्रदेश के किसान, सहकारी संस्थाएँ और उपभोक्ता सीधे लाभान्वित होंगे। बैठक में कंप्रेस्ड बॉयो गैस (सीबीजी) प्लांट की स्थापना की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रदेश में सीबीजी प्लांट स्थापित करने की अपार संभावनाएँ हैं। इन संयंत्रों की स्थापना में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) की भागीदारी सुनिश्चित की जायेगी। इससे किसान अपने फसल अवशेषों और अन्य जैविक कचरे का उपयोग कर आर्थिक रूप से सशक्त बन सकेंगे। मंत्री श्री सारंग ने बैठक में सहकारी समितियों द्वारा निर्मित उत्पादों के विपणन को लेकर भी चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिए कि देश की प्रमुख कंपनियों के साथ एमओयू किये जायें, जिससे पैक्स के माध्यम से तैयार किये गये उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिले और उनकी बिक्री को भी बढ़ावा मिले। मंत्री श्री सारंग ने पीसीपी मॉडल में सहकारी चीनी मिलों के विस्तार और उनके आधुनिकीकरण की आवश्यकता पर भी ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में निवेश को आकर्षित कर नई चीनी मिलों की स्थापना एवं पुरानी मिलों के उन्नयन की दिशा में ठोस कदम उठाये जायेंगे। इससे न केवल किसानों को लाभ होगा।

भोपाल क्राइम ब्रांच द्वारा गांजा तस्कर को पंद्रह किलो गांजे के साथ पकड़ा एक आई फोन भी जप्त

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

सूचना मिली कि सुभाष नगर ब्रिज के पास बंद पेट्रोलपंप एमपी नगर भोपाल में एक हट्ठा कट्ठा लड़का ट्राली बैग लिये है। जिसमें गांजा है। किसी ग्राहक को गांजा देने के लिये खड़ा ग्राहक का इंतजार कर रहा है। वरिष्ठ अधिकारियो को अवगत कराकर कार्यवाही के निर्देश प्राप्त कर क्राइम ब्रांच की टीम बताये स्थान एमपी नगर के पास पहुँचे जहाँ पर एक लड़का अपने पास वाईन रंग का ट्राली बैग लिये खड़ा दिखा। जिसे स्टाफ की मदद से घेराबंदी कर पकड़ा, उससे उसका नाम पता पूछा तो अपना नाम उम्र 24 साल निवासी ग्रीन सिटी सरसवा अर्जुनगंज लखनऊ उत्तरप्रदेश वर्तमान में धोबी घाट बैरागढ में किराये के मकान में रहता है। उसके पास मिले ट्राली बैग को खोलकर चेक किया बैग के अंदर टेप से लिटपे 7 पैकेट मिले पैकेटो के संबंध में पूछने पर पैकेटो के अंदर मादक पदार्थ गाँजा होना बताया आरोपी के पास से मिले गांजे का कुल वजन 15.050 किलो था एवं उसके पास एक आई फोन भी जप्त किया

गया। लगभग 2,30,000 रुपये का सामान जप्त किया गया। आरोपी पर अपराध धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत दण्डनीय होने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया ।

खाताधारकों से धोखाधड़ी व गबनकर्ता कियोस्क संचालक गौरव गिरफ्तार

ज्ञानचन्दशर्मा/बालाघाट। पुलिस अधीक्षक नगेंद्रसिंह के कुशल मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के. एल. बंजारे, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अनुभाग बैहर,अरविंदशाह के मार्गदर्शन में काफी समय से भारतीय स्टेट बैंक से संबंधित कियोस्क का संचालन करने वाले जनता के रुपयों का गबन कर उनसे धोखाधड़ी करने वाले गौरव मिश्रा पिता स्व.कौशलकिशोर मिश्रा जाति ब्राम्हण उम्र 38 वर्ष निवासी मोहगाँव के विरुद्ध दिनांक 12.2.25 को थाना मलाजखंड में अपराध क्र.24/2025 धारा 409,420,467,468, 471भा. द. वि. एवम् 3(2)(1)sc/st act के तहत गिरफ्तार कर आरोपी के पास से डेल कंपनी का 1लैपटॉप, केनान कंपनी का 1प्रिंटर, 1फिंगर मशीन एवम् 1माउस जप्त किया गया है। आरोपी कियोस्क संचालक छेत्र की भोली भाली जनता का विश्वास जीतकर बैंकिंग संबंधी अनभिज्ञता का फायदा उठाकर छेत्र का ही होने के नाते विश्वाश जीतकर खाताधारकों से धोखाधड़ी कर 79 खाताधारकों के साथ लगभग 58,48,977/रुपयों का गबन का पुलिस ने खुलासा किया है। इनका रहा योगदान सम्पूर्ण कार्यवाही में निरीक्षक नरेंद्रसिंह यादव, उनि. अनुरागसिंह भदौरिया, सऊनि. मुकेश रंगारी, सऊनि. कलीराम उईके, आर.46 ब्रजलाल उईके, आर.1310 अनिल चौधरी, आर.1520 अनिल यादव,आर.1242 मिथलेश कनरिया, आर.1455 गणेशप्रसाद मेहरा, सैनिक 282 पुरुषोत्तम तुरकर, चालक आर.1432 अब्दुल गालिब का सराहनीय योगदान रहा। इस मामले का खुलासा करने वाली टीम को बालाघाट पुलिस अधीक्षक नगेंद्र सिंह ने 10हजार रूपए का ईनाम देने की घोषणा की है।

(जयचंद भौतेकर सुप्रीम पॉवर न्यूज बालाघाट की रिपोर्ट)

पुलिस ने अंतर्राज्यीय संगठित चोर गिरोह का किया पर्दाफाश 5 आरोपी गिरफ्तार

ज्ञानचन्दशर्मा/बालाघाट। जिले में नए साल के प्रारंभ से ही दिन दहाड़े सूने घरों से हो रही चोरी की वारदातों की बढ़ती संख्या बालाघाट पुलिस के लिए चुनौती बनी हुई थी। लगातार हो रही चोरियों की घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक नगेंद्रसिंह द्वारा वारदात को अंजाम देने वाले गिरोह का पता लगाकर शीघ्र गिरफ्तारी हेतू अलग अलग टीम गठित करने हेतू निर्देशित किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डाबर के मार्गदर्शन में एसडीओपी वारासिवनी अभिषेक चौधरी, नगर पुलिस अधीक्षक सुश्री वैशाली सिंह,एसडीओपी परसवाड़ा सतीश शाहू एवम् एसडीओपी कटंगी श्रीमती मानकमणि कुमावत द्वारा अलग अलग थानों की संयुक्त टीमों के साथ सतत रूप से योजनाबद्ध तरीके से आरोपियों की धरपकड़ हेतू कार्रवाही की गई एवम् उक्त चोरी की वारदातों में संलिप्त गिरोह के सदस्यों को चिन्हित कर अलग अलग स्थानों से 5 आरोपियों को गिरफ्तार करने और चोरी किए गए लगभग 45 लाख रुपए के सोने चांदी के जेवरात की बरामदगी में बड़ी सफलता पुलिस को मिली हैं जो जिले में अभी तक का बरामद सर्वाधिक मशरूका हैं।

आरोपी चोरी को ऐसे देते थे अंजाम माह अक्टूबर 2024 में गिरोह का मुख्य सरगना मोहम्मद शहबाज खान उर्फ घंघरू जो छिंदवाड़ा जेल से रिहा हुआ था। जेल में रहते हुए उसके द्वारा पूर्व में की गई चोरी की वारदातों में मिला पैसा खर्च हो चुका था जिससे उसकी आर्थिक हालत तंग हों चुकी थी। वह दुबारा बड़ी चोरी करने के मंसूबे लिए अपने भाई नौशाद खान और रिश्तेदार सलाउद्दीन पठान और दोस्त बादल मेश्राम के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम देने की योजना बनाई। नौशाद खान ने अपने पुराने साथी लालबर्रा के भरतराज से शहबाज और बादल से मिलवाया भरतराज ने उनको बकोड़ा में किराए का एक कमरा दिलवाया। शहबाज ने भरतराज को चोरी की योजना के बारे में बताया तो उसने भी लालच में आकर चोरी में सहयोग करने के लिए राजी हो गया।

आरोपियों को जिधर घटना को अंजाम देना होता था वहा सुबह के समय सूने बंद मकानों की जानकारी लेकर भरत रेकी करता बाद में शहबाज और बादल को सूने मकान की जानकारी देता था फिर शहबाज और बादल चोरी की घटना को अंजाम देकर वापस बकोड़ा स्थित अपने किराए के कमरे में जाकर जेवरात को अलग अलग कर कामठी और खवासा में अपने भाई नौशाद और सलाउद्दीन को देता था। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वो दिन में ही चोरी करते थे ताकि रेकी करने और वारदात करने के दौरान आसपास किसी को भी शक न हो और भीड़ का फायदा उठाकर आसानी से फरार हो सके। चोरी का सामान अपने भाई और रिश्तेदार के माध्यम से कामठी और नागपुर में खपाते थे और उनसे मिलने वाले पैसे को नशे और अय्याशी में उड़ा देते थे।

बालाघाट के इन थानों में की वारदात कोतवाली, भरवेली, वारासिवनी, लालबर्रा, परसवाड़ा, लांजी, खैरलांजी, कटंगी, तिरोड़ी, किरनापुर।आरोपियों ने पुलिस द्वारा की गई प्रारंभिक पूछताछ में बालाघाट जिले के अतिरिक्त सीमावर्ती जिला सिवनी के थाना बरघाट, उगली, केवलारी, लखनवाड़ा, कांहीवाड़ा , सिवनी और डुंडासिवनी। छिंदवाड़ा जिले के थाना चांद, कोतवाली, चौरई और सौंसर। मंडला जिले के थाना नैनपुर, बीजाडांडी और महाराष्ट्र राज्य के नागपुर, जूनी, लकड़गंज, कूही, खापरखेड़ा , कपीलनगर, नरखेड़ और कामठी में भी दिन दहाड़े चोरी की वारदात करना स्वीकार किया है।

इनको किया गिरफ्तार 1. मो. शहबाज खान उर्फ घंघरू पिता सलीम खान उम्र 33 वर्ष निवासी कामठी जिला नागपुर (महाराष्ट्र),2. मो.नौशाद खान पिता सलीम खान उम्र 28 वर्ष निवासी कामठी जिला नागपुर (महाराष्ट्र),3. शलाउद्दीन पिता शमसुद्दीन पठान उम्र 33 वर्ष निवासी कामठी जिला नागपुर(महाराष्ट्र),4. भरतराज पिता कृष्णकुमार सराठे उम्र 24 वर्ष निवासी जनतानगर सिवनी जिलासिवनी(मध्यप्रदेश),5. बादल मेश्राम पिता राष्ट्रपाल मेश्राम उम्र 25 वर्ष निवासी कामठी जिला नागपुर (महाराष्ट्र)।

इनकी रही महत्वपूर्ण भूमिका एसडीओपी अभिषेक चौधरी, निरीक्षक प्रकाश वास्कले, गेहलोद सेमलिया, मदन इवने, उपनिरीक्षक कमलेश यादव, सुनील चतुर्वेदी, हेमंत नायक, दीपसिंह परमार, पवन यादव, वैशाली उईके, सउनि अजय डेहरिया, संतोष कौशले, रामकिशोर राहंगडाले, तरुण सोनेकर, तेजलाल धुवारे, प्रशांत बांसोड़, प्रधान आरक्षक राहुल गौतम,राजाबाबू शुक्ला, आशीष धुवारे, गजेंद्र मते, कृष्ण बघेल, अशोक अहाके, आरक्षक शहजाद मंसूरी, हेमंत बघेल, नीरज सनौडीया, आलोक बिसेन, दिनेश लिल्हारे, कमलेश विश्वकर्मा, जय भगत, बलिराम यादव, प्रदीप पुटट्रे,सुशील विश्वकर्मा, हेमंत बिसेन, राजेंद्र गौतम, राजकुमार शर्मा, मआर . कंचन बिंजघाड़े, अमित बरिया, देवेन्द्र तुरकर, प्रियंक श्रीवास, मआर. सुष्मिता बघेल, अंकुर गौतम,के द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया गया।

(जयचंद भौतेकर सुप्रीम पॉवर न्यूज बालाघाट)

मोहगांवखुर्द में रविदास जयंती सम्पन्न

ज्ञानचन्दशर्मा/बालाघाट। जिले की किरनापुर तहसील के अन्तर्गत ग्राम मोहगांवखुर्द में गुरु रविदास समाज कल्याण समिति के तत्वावधान में 15 फरवरी दिन शनिवार को संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें अधिकाधिक संख्या में ग्रामीणों के साथ ही अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन बालाघाट के पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत में अतिथियों द्वारा रविदासजी व संविधान निर्माता डा. भीमराव अम्बेडकर जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात अतिथियों के स्वागत उपरांत संबोधनकर्ताओ द्वारा विस्तारपूर्वक संत शिरोमणि रविदास जी के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई और उनके द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने की अपील करते हुए उनके इतिहास को गांव गांव में जाकर विस्तारित करने का अतिथियों द्वारा अनुरोध किया गया। इनकी रही प्रमुख उपस्थिति अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन के जिला प्रभारी यशवन्त कन्नौजे, दिनेश चौहान लांजी, मनोहर छिपीये ब्लॉक अध्यक्ष किरनापुर, रामप्रसाद चौधरी संगठन महामंत्री बालाघाट, उमाशंकर कुमरे पूर्व सरपंच व जिला सचिव, इंजी. महेन्द्र महापुरुषों के प्रचारक बालाघाट, दुर्गेश बिसेन पूर्व जिला पंचायत सदस्य, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता, पृथ्वीराज मोहबे संरक्षक किरनापुर, फूलचंद भोंडेकर लांजी, एम.आर. भोंडेकर वकील बालाघाट, शिवकुमार खरे उपाध्यक्ष बालाघाट, घनश्याम टांडेकर, किरनापुर, महाराजजी रायपुर, राधेश्याम कन्नौजे बालाघाट, हंशलाल छिपीये सर, धनराज मातरे सरपंच प्रतिनिधि डोंगरगांव,मोहगांवखुर्द सरपंच श्रीमती योगिता तरवरे। कार्यक्रम को सफलता पूर्वक सम्पन्न कराने में आयोजन समिति अध्यक्ष रणजीत भोंडेकर, संरक्षक सरपंच प्रतिनिधि रविन्द्र तरवरे एवम् ग्रामीण समिति के सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

घरेलू गैस सिलेण्डर का धड़ल्ले से हो रहा दुरूपयोग खाद्य विभाग की कई प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशानुसार घरेलू गैस सिलेण्डर के दुरूपयोग को रोकने के लिए व्यवसायिक प्रतिष्ठानों की जांचें खाद्य विभाग के अमले से लगातार कराई जा रही हैं। जिला आपूर्ति नियंत्रक ने बताया कि खाद्य विभाग द्वारा 16 फरवरी 2025 को सईदिया स्कूल एवं अन्ना नगर स्थित 2 गैस रिफिलिंग पाईंट की जांच में घरेलू गैस सिलेण्डर 14.2 कि.ग्राम के 9 भरे, 22 खाली एवं 19 कि.ग्राम व्यावसायिक प्रवर्ग के 2 भरे, 9 खाली, 4 इलेक्ट्रोनिक तौल कांटा, 5 गैस अंतरण मोटर पम्प मय रेग्यूलेटर पाईप के एवं लगभग 70 गैस सिलेण्डर कैप तथा 17 फरवरी 2025 को म.न.75 छत्रपति नगर नरेला शंकरी भोपाल से घरेलू गैस सिलेंडर 14.2 कि.ग्राम क्षमता के 32 भरे, 9 खाली गैस सिलेण्डर एवं 19 कि.ग्राम क्षमता के 1 भरा, 2 खाली व्यवसायिक गैस सिलेण्डर, 1 गैस अंतरण मोटर पम्प मय रेग्यूलेटर पाईप के एवं 6 पीतल की बंसी, 1 इलेक्ट्रोनिक तौल कांटा एवं लगभग 50 गैस सिलेण्डर कैप अनाधिकृत भंडारण, विक्रय एवं अंतरण करने पर जप्त किये गये। जप्त सामग्री की कुल

अनुमानित कीमत 2 लाख 64 हजार है। इसी प्रकार म.न. 75 छत्रपति नगर नरेला शंकरी भोपाल से 1 वाहन जिसके वाहन चालक द्वारा घरेलू गैस सिलेण्डर 14.2 कि.ग्राम की कालाबाजारी करते अनाधिकृत रूप से विक्रय करते पाये जाने के कारण वाहन सहित 76 गैस सिलेण्डर भरे हुये जप्त किये गये, घरेलू गैस सिलेण्डरों को गैस एजेंसी की सुपूर्दगी में दिया गया और उक्त वाहन पुलिस थाना अयोध्या नगर की अभिरक्षा में दिया गया, जप्त सिलेण्डरों की कुल अनुमानित कीमत 2लाख 88 हजार रूपये है। इस प्रकार 2 दिवस में सघन जांच एवं प्रभावी कार्यवाही 4 प्रकरण दर्ज कर कुल 162 गैस सिलेण्डर, 6 इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटे, 6 रिफलिंग मोटर पम्प पाईप नोजल सहित, गैस सिलेण्डर के लगभग 120 प्लास्टिक कैप तथा 1 वाहन जप्त किया गया। जप्ती की अनुमानित कीमत 5 लाख 52 हजार रूपये है। खाद्य विभाग द्वारा आरोपियों के विरूद्ध द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय और वितरण विनियमन)आदेश 2000 के प्रावधानों का उल्लंघन पाये जाने पर आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है।

ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट में प्रदेश की विभिन्न औद्योगिक नीतियां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लांच की जायेगी

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मंगलवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में 24 एवं 25 फरवरी को भोपाल के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय परिसर में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 के सुव्यवस्थित बेहतर आयोजन के लिए गठित शीर्ष समिति की बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री 24 फरवरी को सुबह करीब 10 बजे दो दिवसीय जीआईएस का शुभारंभ कर मध्यप्रदेश की सभी नवीनतम औद्योगिक नीतियों की लॉन्चिंग भी करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी जीआईएस परिसर में स्थापित किये जाने वाले एमपी एक्सपीरियंस जोन का अवलोकन भी करेंगे। इस जोन में इमर्सिव डिजिटल वॉक-थ्रू के रूप में मध्यप्रदेश की विरासत, अब तक की प्रगति और भावी आकांक्षाओं का समन्वित संयोजन एवं प्रदर्शन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जीआईएस को भव्य, सुव्यवस्थित और परिणामदायी बनाने के लिए सभी विभाग बेहतर समन्वय एवं सामंजस्य से कार्य करें। मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने और देश-विदेश के निवेशकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से की जा रही है। इसीलिए आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के लिए सभी तैयारियां व्यापक स्तर पर की जायें। जीआईएस के आयोजन में प्रबंधन संबंधी कोई भी कमी न रहे। मुख्यमंत्री ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि निवेशकों

को सहज आकर्षित करने के लिए राज्य की सभी निवेशक हितैषी औद्योगिक नीतियों, म.प्र. में उद्योगों के लिए उपलब्ध व्यापक अधोसंरचनाओं और संभावनाओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश को इंडस्ट्री फ्रेंडली स्टेट बनाने के लिए निवेशकों को वांछित सभी जरूरी सहायता एवं सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। बैठक में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम और भोपाल जिले के प्रभारी मंत्री पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) भोपाल सांसद, हुजूर विधायक महापौर, जिला पंचायत अध्यक्ष भोपाल , सचिव एवं आयुक्त जनसम्पर्क प्रबंध संचालक,एवं अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

कोई साथ नहीं मेरा

कभी ऐसा लगता था कि
साथ मेरे काफिला होगा।
कोई साथ नहीं है मेरा इस
सच को स्वीकारना होगा।
गलतफहमी मिट गई मंजिल
तक , अकेले ही जाना होगा।
संघर्ष में साथ कोई नहीं
सबके पास कोई बहाना होगा।
घेर लेंगे सब तुझे,, हरीश,,
जब पास तेरे खजाना होगा।
ताउम्र गुजरी है मुफलिसी में
सच से ना कोई अनजाना होगा।
विचारों का कांरवा मेरे पास है
यही बस मेरा अफसाना होगा।
आस्तीन गीली हो गई आंसुओं से
जुनून है,समाज को जगाना होगा।
मेरे जनाजे में लोग भले ना हो ?
विचारों पर मेरे शायद,जमाना होगा।

हरीश पांडल
विचार क्रांति

एमएसएमई विकास नीति और स्टार्ट-अप पॉलिसी एवं कार्यान्वयन योजना को मंजूरी,निवेश और निर्यात को प्रोत्साहन

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम गायन के साथ कैबिनेट की बैठक प्रारंभ हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए म.प्र. एमएसएमई विकास नीति-2025 और स्टार्ट-अप पॉलिसी और कार्यान्वयन योजना-2025 को मंजूरी दी है। इससे प्रदेश में आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को नई गति मिलेगी।मध्यप्रदेश एमएसएमई विकास नीति-2025 के जरिए निवेश पर 40 प्रतिशत तक की सहायता, नए उद्योगों में नवकरणीय ऊर्जा को प्रोत्साहन, अनुसूचित जाति जनजाति, महिला उद्यमी इकाई को 48 प्रतिशत की सहायता और पिछड़े विकासखण्डों में 1.3 गुना सहायता का प्रावधान किया गया है। निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए भी एमएसएमई नीति के तहत विशेष प्रोत्साहन का प्रावधान किया गया है। इस नीति में निर्यातक इकाई को निवेश पर 52 प्रतिशत तक की सहायता, निर्यात हेतु माल ढुलाई पर अधिकतम 2 करोड़ रुपए की सहायता के साथ साथ निर्यात हेतु प्रमाण पत्र पर 50 लाख रुपए की सहायता का भी प्रावधान किया गया है। मध्यम इकाई को 100 से अधिक रोजगार देने पर डेढ़ गुना अनुदान दिया जाएगा। रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए प्रति कर्मचारी 5000 रुपए प्रति माह 5 वर्ष तक मदद की जाएगी। इसके साथ ही कौशल विकास प्रशिक्षण हेतु

13000 रुपए की सहायता का भी नीति में प्रावधान है। सेवा क्षेत्र में पहली बार सहायता दी गई है। इसमें लॉजिस्टिक, रिसाईकलिंग, मोटर यान स्क्रेपिंग के साथ साथ आर एंड डी शामिल है। मेडिकल डिवाइस और फुटवियर के लिए पहली बार विशेष पैकेज भी दिया गया है। वहीं, इस नीति के तहत नवीन क्षेत्र को सहायता देने का भी प्रावधान किया गया है। जिसके तहत एमएसई एक्सचेंज, लीन इंजीनियरिंग, टेस्टिंग लैब, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर हेतु सहायता का भी प्रावधान किया गया है।मध्यप्रदेश स्टार्ट-अप पॉलिसी के अनुसार उत्पाद आधारित स्टार्ट-अप्स के लिये विशेष प्रावधान किए गए है। अब उन्हें विद्युत शुल्क से छूट के अलावा रोजगार सृजन प्रोत्साहन और विद्युत टैरिफ में प्रतिपूर्ति सहायता दिए जाने का प्रावधान किया गया है। इसी तरह स्टार्ट-अप्स के विकास के चारों चरण आईडिएशन, वैलिडेशन, अर्ली स्टेज और ग्रोथ के स्तर पर यानि युवाओं के आईडियाज को पंख देने के लिए नीति के माध्यम से हर स्तर पर सहायता की जाएगी।स्टार्ट-अप पॉलिसी के मुताबिक आंत्रप्रेन्योर इन रेसीडेंस के तहत प्रत्येक स्टार्ट-अप को 12 महीने तक की अवधि के लिए प्रतिमाह 10 हजार रूपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी। इसी तरह वृहद स्तर पर निवेश के लिय 100 करोड़ रूपये का कैपीटल फंड स्थापित करने के साथ ही प्रति स्टार्ट-अप अधिकतम 30 लाख रूपये का सीड अनुदान दिए जाने का प्रावधान किया गया है। नीति में बाजार उपलब्ध करवाने के लिए स्टार्ट अप्स को डिजीटल मार्केटिंग के साथ ही आयोजन में सहभागिता के प्रावधान किए गए है। पॉलिसी में मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना में युवाओं को बड़ी राहत दी गई है। अब योजना में 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान के साथ ही ऋण गारंटी फीस की प्रतिपूर्ति भी राज्य सरकार द्वारा की जाएगी। नीति में स्टार्ट-अप्स को अधोसंरचना विकसित करने के लिए प्रमुख शहरों में मेगा इन्यूवेशन सेंटर, सेटेलाइट सेंटर, को वर्किंग स्पेस और नवाचार आधारित क्षेत्रीय क्लस्टर स्थापित किए जाएंगे। एक्सलेरेशन और हैकाथान जैसे कार्यक्रमों में नीति अनुसार नवाचार को उद्यमों में बदलने में सहायता मिलेगी।मध्यप्रदेश एमएसएमई को औद्योगिक भूमि एवं भवन आवंटन तथा प्रबंधन नियमों में सशोधन को भी मंजूरी दी है। संशोधन अनुसार विकसित किए जाने वाले औद्योगिक भू-खंडों का आबंटन ÷प्रथम आओ-प्रथम पाओ÷ पद्धति के स्थान पर ई-बिडिंग पद्धति से होगी।

उच्च सिक्षित लड़की ला देखो,
सिव मूर्ति संग बिहाव रचा लिस।
बाप हा कर दिस कन्यादान अउ,
महामूर्खता के सबूत देखा दिस।।
अंधभक्त टूरा हो तहू मन,
कोनो देवी संग बिहाव रचाओ।
भांवर खातिर पुरोहित बुला के,
खुसी -खुसी गृहस्थी बसाओ।।
लक्ष्मी नारायण कुम्भकार सचेत दुर्ग (छ0ग0)

ग्राम नोनिया बरेली में संत रविदास जी महाराज की प्रतिमा स्थापना समारोह संपन्न।

हल्केवीर सूर्यवंशी, संभागीय पत्रकार

उदयपुरा। दिनांक 19 फरवरी 2024 को ग्राम नोनिया वरेली, तहसील उदयपुरा, जिला रायसेन, मध्यप्रदेश में जगतगुरु संत रविदास जी महाराज की पखवाड़ा जयंती समारोह के शुभ अवसर पर उनकी प्रतिमा की स्थापना की गई। इस भव्य एवं आध्यात्मिक आयोजन में सामाजिक संतजन, गणमान्य नागरिक, मातृशक्ति एवं युवा साथियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और श्रद्धा व भक्तिभाव के साथ कार्यक्रम को सफल बनाया। यह आयोजन न केवल संत रविदास जी की शिक्षाओं और विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेगा, बल्कि समाज में भाईचारे और समरसता को भी मजबूत करेगा। इस अवसर पर नगर के मुख्यमर्गों से डीजे बाजे के साथ रैली निकाली गई। इस पूरे कार्यक्रम में शामिल रहे श्री मोहन दास बाबा जी पुसी वाले, बटेरा वाले बाबा जी, विजनहाई वाले बाबा जी , गंगई वाले बाबा जी वरिष्ठ समाजसेवीयों में श्री एमएल राठौरिया जी री. डीईओ रायसेन, श्री रमन बामने जी, श्री लोकेश मिश्रा जी जि. पं. सदस्य, श्री यशपाल सिंह जी राजपूत जन. पं. सदस्य, श्री हमीर सिंह जी गौर सरपंच नोनिया बरेली, श्री कमलेश ठेकेदार जी, श्री बीडी राठौरिया जी, श्री मुन्ना लाल जी, युवाओं में गजेंद्र राठौरिया,यमलेश,बलिराम, हेमंत,जयराम, जसमन, बृजेंद्र, नीलेश परिहार, शामिल रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव, मंत्री श्री सिलावट के पुत्र और विधायक श्री विष्णु खत्री की पुत्री के विवाह समारोह में हुए शामिल

मुख्यमंत्री ने वर-वधु को दिया आशीर्वाद

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार रात अल्प प्रवास पर सीहोर पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जल संसाधन मंत्री श्री तुलसी सिलावट के पुत्र चि. बंकिम तथा बैरसिया विधायक श्री विष्णु खत्री की पुत्री सौ. का. वसुधा के विवाह समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर-वधु को आशीर्वाद प्रदान किया।

धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान में दतिया जिले के ग्राम हसापुर का चयन

कलेक्टर श्री माकिन ने बच्चों को पिलाया प्रोटीन पावडर युक्त दूध

भोपाल। दतिया जिले की ग्राम पंचायत भरोली के ग्राम हसापुर का पीएम जनमन बाल स्वच्छता अभियान के अंतर्गत धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान में चयन किया गया है। इस अभियान का उद्देश्य मध्यप्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों में अनुसूचित जनजाति आबादी के लिये समान अवसरों का सृजन, सामाजिक, आर्थिक स्तर का विकास, बुनियादी ढाँचे के सुधार, स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका के क्षेत्र में प्रगति करना है। राज्य शासन द्वारा समय-समय पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर अनुसूचित जनजाति समुदाय के लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है। इसी कड़ी में दतिया कलेक्टर श्री संदीप कुमार माकिन पीएम जनमन बाल स्वच्छता अभियान कार्यक्रम में शामिल हुए। अभियान में पोषण-2.0 अंतर्गत 8 हजार आँगनवाड़ी केन्द्रों के माध्यम से ÷हर बच्चे का पोषण-सबको पोषण'' में बच्चों को लाभान्वित किया जा रहा है। कलेक्टर श्री माकिन ने बच्चों को प्रोटीन पावडर युक्त दूध पिलाया। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। इन्हें पोषणयुक्त आहार, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जाना शासन की प्राथमिकता है। कलेक्टर श्री माकिन ने कहा कि शिविर प्रत्येक माह आयोजित किये जायेंगे। इससे बच्चों को कुपोषण मुक्त एवं महिलाओं की हीमोग्लोबिन की कमी को दूर किया जा सकेगा।

संत शिरोमणि रविदास जी के 648वें जन्मोत्सव पर भाड़ोन में भव्य सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन।

हल्केवीर सूर्यवंशी, संभागीय पत्रकार

भाड़ोन, रायसेन। संत शिरोमणि रविदास जी के 648वें जन्मोत्सव के अवसर पर ग्राम भाड़ोन, तहसील उदयपुरा, जिला रायसेन में एक भव्य सांस्कृतिक, शैक्षणिक और सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महापुरुषों के उद्देश्यों और उनके विचारों को समाज एवं जीवन में आत्मसात करने के उद्देश्य से विविध प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने नृत्य, नाटक, भाषण, शायरी और कविताओं के माध्यम से महान स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन और संघर्ष को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों में उनकी प्रतिभा को निखारने, संविधान एवं लोकतंत्र का महत्व समझाने, व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देने तथा नवाचार एवं वैज्ञानिक चेतना की ओर प्रेरित करना था, ताकि वे एक अच्छे नागरिक बनकर अपने देश का नाम रोशन कर सकें। इस कार्यक्रम का सफल संचालन लक्ष्य भारतीय, करन, मनोहर, ललित, लवकुश, निलेश और समस्त बच्चों के नेतृत्व में किया गया। आयोजन में स्थानीय नागरिकों, शिक्षकों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना की।

नायब तहसीलदार पर सांठगांठ से जबरन कब्जा दिलाने का लगा आरोप , प्रकरण हाईकोर्ट में विचाराधीन

हल्केवीर सूर्यवंशी, संभागीय पत्रकार

देवरी रायसेन। एक और तो मोहन यादव सरकार राजस्व विभाग को सुधारने में लगी हुई है, वहीं राजस्व विभाग के कुछ भ्रष्ट अधिकारी पैसों के लालच में मोहन यादव की सरकार को बदनाम करने में लगे हुए हैं। ऐसा ही मामला रायसेन जिले के नगर परिषद देवरी का प्रकाश में आया है जिसमें नायब तहसीलदार पर दूसरे पक्ष से सांठगांठ कर एक खेत पर एक ही दिन में दूसरे पक्ष को नोटिस देने की औपचारिकता करके कब्जा दिलाने की प्रक्रिया की जा रही है । पीड़िता महिला का आरोप है कि उसको धमकाकर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। जिले की देवरी तहसील में पदस्थ नायब तहसीलदार दिनेश कुमार बरगले ने शनिवार को अवकाश का दिन होने पर भी तहसील खोलकर महिला को शनिवार की शाम को तत्काल नोटिस भिजवाए कि कल रविवार को दोपहर 12ः00 बजे तुम्हारी जमीन से कब्जा हटाया जाएगा। पीड़िता महिला का आरोप है कि तहसीलदार को ऐसी कौन - सी जल्दी है कि मात्र 24 घंटे में नोटिस देकर कब्जा हटाने की प्रक्रिया की जा रही है।भूमि विवाद दो सगे भाई- बहन के बीच चल रहा है । पीड़िता रेहाना बेगम को उनकी मौसी ने गोद लिया था ओर उसकी शादी करने के बाद अपनी दत्तक पुत्री एवं दामाद को घरजमाई बनाकर रखा । जिन्हें अपने हिस्से की 8 एकड़ भूमि वसीयतनामा लिखकर दे दी थी । उक्त भूमि पर करीब 20 वर्ष से रेहाना बेगम और उसके छोटे बच्चे खेती से अपना गुजार-बसर कर रहे हैं। इस बीच मौसी की तबीयत बिगड़ी और भोपाल एलबीएस हॉस्पिटल में भर्ती हुई तो तभी रेहना के सीहोर निवासी सगे भाई ने भी एक फर्जी वसीयतनामा तैयार कर लिया ओर इस वसीयतनामा के आधार पर उसने उक्त भूमि पर कब्जे को लेकर प्रकारण एसडीएम कार्यालय में लगा दिया था , जिसमें 145 की कार्रवाई हुई है, लेकिन प्रकरण में फैसला रेहाना बी पति अस्सु खान के पक्ष में होने पर उनकी जीत

हुई। उक्त प्रकरण फिर उदयपुरा व्यवहार न्यायालय में चला, वहां से भी माननीय न्यायालय ने रेहना का कब्जा साबित पाते हुए उनके पक्ष में फैसला सुनाया था । उसके बाद उक्त प्रकरण अपर सत्र न्यायालय बरेली में चलने के बाद अब प्रकरण हाई कोर्ट जबलपुर में प्रकरण चल रहा है। जनचर्चा है कि रेहाना बी के भाई वसीमउल्ला निवासी सीहोर ने तहसीलदार से सांठगांठ गांठ करके प्रकरण हाईकोर्ट में होने के पश्चात भी विवादग्रस्त भूमि से कब्जा हटवाने का षड्यंत्र रचा जा रहा है। पूर्व में भी रूपयो के तहसील से गायब होने पर ,विवादग्रस्त तहसीलदार ने शक के आरोप में तहसील के एक कोटवार एवं दो चपरासियों को कमरे में बंद करके बेतहाशा मारा था जिसकी शिकायत तत्कालीन कलेक्टर अरविंद दुबे से भी की गई थी परंतु कुछ नहीं हुआ। दूसरे पक्ष से सांठगांठ के चलते तहसीलदार ने शनिवार को नोटिस जारी कर 24 घंटे में खेत से कब्जा हटाने की बात की है। और रेहान एवं उनके बच्चों को धमकाया है । जबकि जबकि हाईकोर्ट में विचाराधीन है फिर भी तहसीलदार के द्वारा जबरन कब्जा दिलावाने का प्रयास किया जा रहा है । फरियादी रेहाना बेगम ने कलेक्टर अरुण विश्वकर्मा से दूरभाष पर तहसीलदार के द्वारा एक तरफा कार्रवाई की शिकायत किए जाने पर कलेक्टर ने इस मामले में संज्ञान लेते हुए एसडीएम संतोष मुदूल को दूरभाष पर आवश्यक निर्देश दिए जाने पर एसडीएम ने विवादग्रस्त मामले पर तत्काल संज्ञान लेकर देवरी तहसीलदार की पक्षपातपूर्ण कार्रवाई पर आज रोक लगा दी है।

एडवोकेट अभिषेक श्रीवास्तव का कहना है कि- रेहाना का प्रकरण हाई कोर्ट में लंबित है ओर अभी भी उक्त भूमि पर रेहाना का कब्जा है जो साबित भी हुआ है। लगातार 20 वर्ष से रेहाना बेगम का ही कब्जा चला आ रहा है । उक्त विवाद हाईकोर्ट में विचाराधीन होने के बाद भी तहसीलदार द्वारा दूसरे पक्ष को आननफानन में कब्जा दिलाने की कार्रवाई क्यों की जा रही है। अब हम तहसीलदार के खिलाफ भी हाईकोर्ट में रिट लगाएंगे ।

फरियादी रेहाना ने बताया कि-

इस जमीन पर शुरू से मेरा कब्जा है मेरा सगा भाई मुझे इस कब्जे से बेदखल करने के लिए तहसीलदार से सांठगांठ कर चुका है ओर उक्त तहसीलदार द्वारा मुझे मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा है। मुझे व मेरे बच्चों को धमकी दे रहे है कि तुम्हें जेल में सड़वा दूंगा । भूमि से तुम कब्ज़ा छोड़ दो। अन्यथा अंजाम भुगतने को तैयार रहो । तहसीलदार की मानसिक प्रताड़ना से मैं आत्महत्या करने को मजबूर हो रही हूं ।

रायसेन में 'नक्शा' सिटी सर्वे प्रोग्राम का राष्ट्रीय शुभारंभ, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया दीप प्रज्वलन

हल्केवीर सूर्यवंशी, संभागीय पत्रकार

रायसेन। दशहरा मैदान में आयोजित सिटी सर्वे प्रोग्राम ÷नक्शा÷ के राष्ट्रीय शुभारंभ समारोह का भव्य आयोजन किया गया। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान एवं केंद्रीय ग्रामीण विकास तथा संचार राज्यमंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस महत्वपूर्ण आयोजन में मत्स्य पालन एवं मछुआ कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री नारायण सिंह पंवार, स्वास्थ्य राज्यमंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, नर्मदापुरम सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी, सांची विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी, भोजपुर विधायक श्री सुरेंद्र पटवा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा, पूर्व मंत्री श्री रामपाल सिंह, श्री राकेश शर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान ÷नक्शा÷ सिटी सर्वे प्रोग्राम की उपयोगिता और इससे नागरिकों को मिलने वाले लाभों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस योजना के तहत शहरों में भूमि और संपत्तियों का आधुनिक तकनीक से सर्वेक्षण कर डेटा संग्रह किया जाएगा, जिससे नगर विकास और प्रशासनिक कार्यों को अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ÷नक्शा÷ योजना से नगरीय विकास को गति मिलेगी और नागरिकों को भूमि संबंधी सेवाएं सुगमता से प्राप्त होंगी। केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इसे ÷देशभर के लिए एक क्रांतिकारी पहल÷ बताया और इसके सफल कार्यान्वयन की उम्मीद जताई। इस राष्ट्रीय शुभारंभ कार्यक्रम में भारी संख्या में आमजन उपस्थित रहे और नक्शा प्रोग्राम की सराहना की।

ऑटोमोबाइल में क्रांति का नया केंद्र बन कर उभर रहा है मध्यप्रदेश

भोपाल। भारत में औद्योगिक भविष्य की रूपरेखा अब मध्यप्रदेश से तय हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य न केवल आदर्श निवेश स्थल बन कर उभर रहा है बल्कि ऑटोमोबाइल और ईवी इंडस्ट्री के एडवांस इरा की नई परिभाषा लिख रहा है। डेट्रॉयट जिस तरह 20वीं सदी में ऑटोमोबाइल क्रांति का केंद्र बना था, उसी तरह 21वीं सदी में मध्यप्रदेश ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में भारत का फ्यूचर हब बनकर उभर रहा है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (GIS-2025) इस बदलाव का एक ऐतिहासिक मंच बनेगा, जहां दुनिया की सबसे बड़ी ऑटोमोबाइल और ईवी कंपनियां मध्यप्रदेश के औद्योगिक भविष्य को आकार देने के लिए आगे आएंगी। यह सिर्फ निवेश आकर्षित करने का अवसर नहीं, बल्कि भारत में ऑटोमोबाइल टेक्नोलॉजी और ई-मोबिलिटी को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का मंच है। भारत में ऑटोमोबाइल क्रांति की चर्चा अब पारंपरिक हब्स तक सीमित नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश की उद्योग अनुकूल नीतियों और विश्वस्तरीय लॉजिस्टिक्स नेटवर्क तक पहुंच चुकी है। राज्य सरकार की व्यवसाय समर्थक नीतियां, तेज़ अनुमोदन प्रक्रिया और उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे ने निवेशकों को यह विश्वास दिलाया है कि मध्यप्रदेश ही अगला ऑटोमोबाइल सुपर हब बनने की दिशा में अग्रसर है। यहां पहले से ही 30 से अधिक ओरिजनल इक्विपमेंट मैन्यूफेक्चरर्स, 200 से ज्यादा ऑटो कंपोनेंट निर्माता और 1 हजार से अधिक औद्योगिक इकाइयां कार्यरत हैं। देश में बसों और ट्रैक्टरों का दूसरा सबसे बड़ा और कामर्शियल वाहनों का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक होने के बावजूद, राज्य अब सिर्फ उत्पादक केंद्र नहीं, बल्कि एक इनोवेशन हब बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारत को एक वैश्विक ऑटोमोबाइल रिसर्च और टेस्टिंग सेंटर बनाने के विजन के तहत मध्यप्रदेश इसकी स्पीड लैब बनने की ओर अग्रसर है। एशिया का सबसे लंबा हाई-स्पीड परीक्षण ट्रैक, 14 टेस्ट ट्रैक और 5 ऑटो-विशिष्ट प्रयोगशालाओं के साथ राज्य दुनिया के अग्रणी ऑटोमोबाइल निर्माताओं के लिए एक वैश्विक परीक्षण केंद्र बन रहा है।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा की अध्यक्षता में आबकारी विभाग की जिला निष्पादन समिति की बैठक सम्पन्न

वर्ष 2025-26 हेतु जारी आबकारी नीति के प्रमुख प्रावधानों व संशोधनों के बारे में दी गई जानकारी

हल्केवीर सूर्यवंशी, संभागीय पत्रकार

रायसेन। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आबकारी विभाग की जिला निष्पादन समिति की बैठक कलेक्टर श्री अरूण विश्वकर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में समिति के सदस्य पुलिस अधीक्षक श्री पंकज पाण्डे, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया तथा अतिरिक्त सदस्य जिल सूचना अधिकारी श्री दीपेन्द्र कटियार उपस्थित रहे। सहायक आबकारी आयुक्त श्रीमती वंदना पाण्डेय ने बैठक में वर्ष 2025-26 हेतु जारी आबकारी नीति के प्रमुख प्रावधानों एवं वर्तमान नीति में गत वर्ष से हुए संशोधनों के बारे में बिन्दुवार अवगत कराया गया। नवीन नीति में अनुज्ञप्तिधारियों को कांट्रेक्टर रजिस्ट्रेशन पर पंजीयन कराने की बाध्यता होने से जिले के वर्तमान 20 समूहों के अनुज्ञप्तिधारियों को कांट्रेक्टर रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर पंजीयन

कराए जाने के लिए निर्देशित किया गया। वर्तमान समस्त लायसेंसियों द्वारा कांट्रेक्टर रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर पंजीयन करा लिया गया है, यह विभाग द्वारा सुनिश्चित किया गया है। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2024-25 में प्राप्त वार्षिक मूल्य रूपए 3136615482 एवं 20 प्रतिशत वृद्धि पश्चात वर्ष 2025-26 का आरक्षित मूल्य 3763938588 है। वर्ष 2025-26 ठेका निष्पादन कार्यवाही प्रथमतः नवीनीकरण के माध्यम से निष्पादन किए जाने के लिए जिले के समस्त अनुज्ञप्तिधारियों की बैठक आहूत की गई जिसमें अनुज्ञप्तिधारियों से जारी नीति निर्देश के बारे में अवगत कराया गया। इसके अतिरिक्त अन्य इच्छुक आवेदकों को भी नवीन आबकारी नीति के बारे में अवगत कराया गया है। जिला निष्पादन समिति की बैठक उपरांत कलेक्टर द्वारा समस्त वृत उपनिरीक्षकों को निर्देशित किया गया कि वह अपने प्रभारीधीन वृतों में अवैध मदिरा विक्रय की रोकथाम की निरंतर कार्यवाही की जाए।

अहिरवार समाज विकाश संगठन ब्लॉक शाखा बाड़ी के तत्वाधान में धूमधाम से मनाई संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती

डॉ भीमराव अम्बेडकर भवन एवं एवं संत रविदास मंदिर निर्माण की मांग को क्षेत्रीय विधायक सुरेंद्र पटवा ने दी मंजूरी

बाड़ी। दिनांक 16 फरबरी को स्वर्गीय श्री जी.एल. बरगले जी के द्वारा स्थापित संगठन अहिरवार समाज विकाश संगठन ब्लॉक शाखा बाड़ी के तत्वाधान में बाड़ी नगर में संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती का भव्य आयोजन किया गया । जिसमें संत रविदास जी की पूजा,अर्चना कर नगर के मुख्य मार्गो से विशाल चल समारोह रैली निकाली गई जिसमें महर्षि वाल्मीकि अखाड़ा के कलाकारों द्वारा अखाड़े का शानदार प्रदर्शन किया गया ।

यह चल समारोह नगर के मुख्य मार्गो से होते हुए संत रविदास मंदिर पर सभा के रूप में परिवर्तित हुआ । सभा में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सांची विधायक डॉक्टर प्रभुराम चौधरी जी एवं भोजपुर विधानसभा के विधायक पूर्व मंत्री सुरेंद्र पटवा जी विशेष अतिथि के रूप में भाजपा के मंडल अध्यक्ष पंकज श्रीवास्तव (डब्बू भैया) नगर परिषद उपाध्यक्ष सुरेश पाल ,अनिल सोनी सहित अन्य प्रतिष्ठित व्यक्ति उपस्थित रहे संत रविदास जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए सामाजिक वक्ताओं ने मंच के माध्यम से सामाजिक भेदभाव,रूढ़िवादी,आडंबरों, को खत्म कर भाईचारे की बात कही एवं संत रविदास जी के विचारों को उनकी

सोच को आगे बढ़ने का संकल्प लिया । इसी दौरान भीम आर्मी भारत एकता मिशन के पूर्व रायसेन जिला अध्यक्ष एवं पूर्व भोपाल संभागीय अध्यक्ष जीतेन्द्र मूलनिवासी ने ज्ञापन के माध्यम से बाड़ी नगर में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर सामुदायिक भवन एवं संत शिरोमणि गुरु रविदास मंदिर निर्माण हेतु भूमि आवंटित कर राशि की मांग की जिस पर क्षेत्रीय विधायक सुरेंद्र पटवा जी ने मंजूरी दी भाजपा के मंडल अध्यक्ष पंकज श्रीवास्तव द्वारा सुरेंद्र पटवारी जी से विशेष आग्रह किया गया की बड़ी नगर में अहिरवार समाज के लोग अधिक संख्या में निवास करते हैं परंतु यहां पर अहिरवार समाज के लोगों को सामाजिक, सांस्कृतिक,धार्मिक कार्यक्रम करने हेतु कोई व्यवस्था नहीं है इसलिए यहां पर डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के नाम पर भवन निर्माण करना अति आवश्यक है लंबे समय से संत शिरोमणि गुरु रविदास जी का मंदिर निर्माण कार्य भी रुका हुआ है उसे निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए क्षेत्रीय विधायक सुरेंद्र पटवारी से आग्रह किया जिस पर क्षेत्रीय विधायक सुरेंद्र पटवा ने भी अपनी सहमति दी कार्यक्रम सभा समाप्त होने के बाद उपस्थित सामाजिक बंधुओ ने प्रसाद ग्रहण कर कार्यक्रम का समापन किया कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित अहिरवार समाज विकास संगठन ब्लॉक शाखा बड़ी के अध्यक्ष श्री पोहप सिंह अहिरवार जी ,श्री माधव पटवारी जी ,श्री बबलू बागड़ी जी, तहसीलदार महोदय,बाड़ी थाना प्रभारी जी, श्री कपिल कुमार अहिरवार पार्षद ,कमलेश अहिरवार शिक्षक, श्री भगवान दास अहिरवार पूर्व सरपंच ,भीम आर्मी पूर्व जिला अध्यक्ष जितेंद्र मूलनिवासी अहिरवार समाज विकास संगठन ब्लॉक शाखा बाड़ी के संस्थापक स्वर्गीय श्री जी.एल.बरगले जी के सुपुत्र निशांत बरगले ,पुत्री हर्षाली बरगले ,मेघराज बागड़ी, विनोद बागड़ी ,श्री टीकाराम अहिरवार, श्री हरि सिंह अहिरवार अधीक्षक ,श्री विश्राम सांगा, श्री,रामसिंह, लाल सिंह अहिरवार, मोनू बागड़ी डीजे,संजेश, अतुल ,अमन,सहित तमाम सामाजिक कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे ।

बीज संघ के उत्पाद नये ब्रॉन्ड नेम और आकर्षक 'लोगो' के साथ करें विक्रय

सहकारिता मंत्री श्री सारंग की अध्यक्षता में हुई बीज संघ की संचालक मण्डल की बैठक

भोपाल। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि बीज संस्थाओं द्वारा प्रमाणित बीज के विपणन का कार्य नये ब्रॉन्ड नेम के साथ किया जाए। इसके लिये आकर्षक लोगो तैयार किया जाए। मंत्री श्री सारंग मंगलवार को मंत्रालय में राज्य सहकारी बीज उत्पादक एवं विपणन संघ के संचालक मण्डल की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त श्री मोहम्मद सुलेमान और अपर मुख्य सचिव श्री अशोक वर्णबाल उपस्थित थे। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि पैक्स, अन्य सहकारी संस्थाओं तथा निजी व्यवसायियों के माध्यम से स्थानीय कृषकों को प्रमाणित बीज विपणन का कार्य हो। उन्होंने विपणन विशेषज्ञ एवं बीज उत्पादन से संबंधित तकनीकी विशेषज्ञ की सेवायें लेने को भी कहा। उन्होंने कहा कि क्वालिटी कंट्रोल, मार्केटिंग और पैकेजिंग पर आवश्यक ध्यान दिया जाये। इस कार्यवाही से पैक्स के 32 लाख कृषक सदस्यों, बीज सहकारी संस्थाओं के सदस्यों एवं अन्य कृषकों को बीज संघ द्वारा उच्च गुणवत्ता युक्त प्रमाणित बीज उपलब्ध कराया जा सकेगा। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि बीज सोसायटियों को नवाचार विंग से जोड़े। कहाँ कौन-सी सोसायटी विकसित करना है। उसकी डीपीआर तैयार करें। बीज सोसायटियों की रेटिंग भी की जाये। श्री सारंग ने कहा कि बिजनेस मॉड्युल तैयार करें और बिजनेस डेव?लपमेंट सेंटर का सेट-अप बनाए। मंत्री सारंग ने कहा कि उच्च गुणवत्ता वाले बीजों के उपयोग से किसानों के

फसलों की उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि किसानों की खेती को उत्कृष्ट करने के लिए बीज संघ अपने ब्रांड के साथ गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराएगा। इसके लिए बीज संघ द्वारा विस्तृत रूपरेखा तैयार की जाए। मंत्री सारंग ने कहा कि बीज संघ गुणवत्ता, विश्वसनीयता, स्थिरता और जलवायु अनुकूल बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करे। बैठक में निर्णय लिया गया कि, बीज संघ प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर व्यावसायिक विकास केन्द्र स्थापित कर उनके माध्यम से अपनी गतिविधि संचालित करेगा। बीज संघ उत्पादित बीज की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिये बीज उत्पादन के विशेषज्ञों की सेवाऐं लेकर कृषकों को बीज उत्पादन के प्रशिक्षण एवं वांछित आदान उपलब्ध कराने की कार्यवाही करेगा। इससे प्रदेश के कृषकों के फसल उत्पादन में उत्पादन में वृद्धि के साथ उनकी आय में वृद्धि हो सकेगी। बीज संघ द्वारा निर्मित गोदाम सह ग्रेडिंग संयत्रों के समुचित उपयोग को सुनिश्चित करने के लिये बीज उत्पादक सहकारी समितियों के अतिरिक्त अन्य सहकारी समितियों को भी लीज पर देने का निर्णय लिया गया। गोदाम सह ग्रेडिंग संयत्रों का उपयोग सहकारी क्षेत्र से जुडे कृषकों द्वारा भी उत्पादित बीज/फसल के गुणवत्ता में सुधार के लिये किया जा सकेगा। इससे कृषकों को उत्पादित फसल का लाभकारी मूल्य प्राप्त हो सकेगा।

निरोगी काया अभियान 2025 का हुआ शुभारंभ

31 मार्च तक 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों की मधुमेह, उच्च रक्तचाप और अन्य गैर-संचारी रोगों की नि:शुल्क की जाएगी जाँच

भोपाल। मध्यप्रदेश में निरोगी काया अभियान 20 फरवरी से 31 मार्च तक संचालित किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित इस अभियान के तहत प्रदेशभर में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिकों तथा अन्य स्वास्थ्य संस्थानों में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए जा रहे हैं। अभियान में 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों की मधुमेह, उच्च रक्तचाप और अन्य गैर-संचारी रोगों की नि:शुल्क जाँच की जायेगी। अभियान का मुख्य उद्देश्य मधुमेह, उच्च रक्तचाप और अन्य गैर-संचारी रोगों की समय पर पहचान और नि:शुल्क उपचार सुनिश्चित करना है। ये बीमारियाँ प्रारंभिक अवस्था में बिना लक्षणों के होती हैं, लेकिन आगे चलकर हृदय रोग, लकवा, किडनी व लीवर की बीमारियों का कारण बन सकती हैं। इसलिए इस अभियान के तहत व्यापक स्तर पर स्वास्थ्य जांच, रोग की शीघ्र पहचान और सरकारी अस्पतालों में नि:शुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस अभियान का विशेष लाभ जनजातीय एवं वनवासी समुदायों को मिलेगा। इन्हें रोगों की रोकथाम, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और नशे से बचाव के लिए जागरूक किया जा रहा है, ताकि वे स्वस्थ जीवनशैली अपना सकें। स्वास्थ्य विभाग द्वारा अभियान को प्रभावी बनाने के लिए आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से घर-घर सर्वेक्षण किया जा रहा है। उन्हें प्राथमिकता से जांच और इलाज की सुविधा दी जाएगी।

पुस्तक समीक्षा- जिंदगी के रंग परिस्थिति के संग

लेखिका-भावना मंगलमुखी, समीक्षक - श्री पंकज मिश्र अटल

सतत संघर्ष एवं अभूतपूर्व जिजीविषा की गहन व्याख्या व विश्लेषण को प्रस्तुत करती है आत्मकथा कृति जिंदगी के रंग परिस्थिति के संग।

--- पंकज मिश्र अटल

संघर्ष एवं सिर्फ़ सतत संघर्ष जब जीवन के साथी बन जाते हैं तो कहीं न कहीं उस व्यक्तित्व को संवारते व निखारते भी हैं। साथ ही अभूतपूर्व उपलब्धियों के शिखर का संस्पर्श भी कराते हैं। जब मैं पुस्तक की पंक्तियों से गुजरता हूं, तमाम उतार - चढ़ावों, झंझावातों को महसूस करता हूं। परिशिष्ट को समाहित करते हुए 23 खंडों में पुस्तक के लेखन में लेखक ने स्वयं को विभिन्न कोणों से देखा है, पाठकों को दिखाया है, स्वयं को अनुभूत भी किया है। अपने अतीत को अपने आज को बहुत ही बेबाकी के साथ सबके समक्ष प्रस्तुत किया है, साझा किया है एवं अतीत की अनसुलझी कहानियों को सहज रूप से अभिव्यक्त भी किया है।

यहां मैं बताना चाहूंगा कि मैं निरंतर लेखक से उसके अध्ययनकाल से ही जुड़ा रहा हूं और उसके अंतर्मन की गुत्थियों को महसूस करता रहा हूं। साथ ही उलझे हुए धागों की भांति उसको सुलझाता भी रहा हूं। यदि पुस्तक के संदर्भ में विवेचक व विश्लेषक की भूमिका में आकर कुछ पंक्तियों में कहना चाहूं तो शायद न्याय नहीं होगा, सागर की गहराई में उतरना ही होगा, सीप और मोती तभी प्राप्त हो सकेंगे। इसी क्रम में मैं इस पुस्तक को विभिन्न उपभागों में से कुछ उत्तम ही तलाशूंगा, शायद यही बेहतर होगा, और सभी के लिए प्रेरक भी।

लेखक पारिवारिक पृष्ठभूमि के अंतर्गत अपने दादाजी के बचपन से लेकर उस काल को छूता है, जहां पिताजी की बीमारी और परिवार की परेशानियों के प्रारंभिक दौर में उसकी बुआएँ अपने मायके की जिम्मेदारी को निभाती है। शायद इससे बड़ा सत्य लिखा नहीं जा सकता था।

द्वितीय व तृतीय भाग में लेखक जहां एक ओर अपने बाल्यकाल में परिवार की स्थिति स्पष्ट करता है, वहीं दूसरी तरफ़ वह उस समय के सांस्कृतिक पहलुओं यथा खान - पान, रीति - रिवाज और रहन - सहन का भी वर्णन करता है, जो कि स्वाभाविक भी है।

प्रारंभिक शिक्षण जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है, ग्रामीण परिवेश में शिक्षा के प्रति विशेष रुचि को रेखांकित करता है। साथ ही लेखक की प्रतिभा और दादाजी के संकल्प को भी प्रकट करता है।

वहीं चतुर्थ व पंचम भाग में लेखक के शैक्षणिक उन्नयन के प्रतीक रूप में उसके नवोदय की तैयारी व प्रवेश का जिक्र आता है और शायद यही खंड लेखक के जीवन का पहला सुखद अनुभव भी है। इसी क्रम में लेखक ने नवोदय पहुंचने पर अभूतपूर्व अनुभवों को भी साझा किया है, जो कि क्रमशः उसको अपनी ओर आकर्षित भी कर रहे थे। नवोदय की दिनचर्या से लेकर प्रत्येक गतिविधि यथा सदन व्यवस्था, भोजन व्यवस्था, सहशैक्षणिक गतिविधियां, खेल - कूद और गुरुजनों के खास लफ़्ज कहीं न कहीं सबके दिल को छूने वाले हैं। कक्षा सात से लेकर कक्षा आठ तक लेखक अपने कुशल नेतृत्व से एक विशेष पहचान को अर्जित करता है। कक्षा नौ में लेखक शैक्षणिक प्रवास के तहत एक अहिंदी भाषी क्षेत्र में जाता है, सोमनाथ व दीव के अपने अविस्मरणीय पलों को जीता है और उनको सबके समक्ष प्रस्तुत करता है, साझा करता है, जो कि निश्चय ही विवेचनीय हैं।

कक्षा दस से संघर्षों के रूप बदलते हैं,मगर कक्षा ग्यारह में विद्यालय कप्तान भी बनता है, ये मनोबल को बढ़ाने में सहायक होता है। कक्षा बारह आरंभिक सुखद अनुभूति के साथ ही चिंता का आभास भी कराता है क्योंकि नवोदय छूट रहा था और समस्याएं मुंह बाएं खड़ी थीं। शायद वास्तविक संघर्ष एवं चुनौतियां जीवन की विसंगतियों के रूप में लेखक को विवश कर रही थी कि वह क्या करे और क्या न करे ! नवोदय पश्चात वह कभी पूना, कभी मुंबई, कभी गुजरात भटकता रहा तो कभी मंदिरों और दरगाहों पर भी भटकता रहा दर -दर की ठोकरें भी खाता रहा।

स्वयं की शादी भी नहीं हुई, दादाजी भी नहीं रहे। धीरे - धीरे मनःस्थिति बदल रही थी। ये बदलाव आगे किस ओर ले जा रहा था, अनिश्चित सा था।

भावना मंगलमुखी
एक ट्रांसजेंडर लेखिका
पाली राजस्थान/
पालघर महाराष्ट्र

यहां तक आते - आते लेखक की मुलाकात किन्नर गुरू से होती है, इधर उसके जीवन में काफ़ी भटकाव और बिखरावों को महसूस किया जा सकता है। इस दौर में लेखक काफ़ी ऊहापोह की मनःस्थिति में रहता है, लोगों से विभिन्न मुद्दों पर टकराता है, वाद - विवाद की स्थिति बनती है परंतु उसमें परिवर्तित स्वरूप के साथ - साधु स्वभाव भी झलकता है। वह दीन-दुर्बल के साथ - साथ पर्यावरण व प्राणियों के प्रति भी संवेदना एवं सहानुभूति रखता है। बाड़मेर जाना और साधु बन जाना भी एक अप्रत्याशित घटना है। मैंने ग्रंथ के माध्यम से महसूस किया कि अस्थिरता का दौर समाप्त नहीं होता है। पिताजी के निधन के उपरांत वह सामान्य जीवन जीता है परंतु कुछ समस्याओं के चलते पुनः तीसरी दुनिया में प्रवेश कर लेता है।

यदि विश्लेषण की गहराई में जाया जाए तो उल्लेख करना पड़ेगा कि सामाजिक व लेखकीय दायरे के विस्तार की दृष्टि से कोरोनाकाल और किन्नर समाज से जुड़ाव कहीं न कहीं रचनाकार्य और सामाजिक पहचान की दृष्टि से श्रेयस्कर रहा, लेखक के रूप में स्थापित कर सका। बोईसर शिफ्ट होना, दहानू स्टेशन पर रहना, अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति से जुड़ना, भारत जोड़ो यात्रा में जाना ये वे बिंदु हैं, जिन्होंने लेखन को नए आयाम प्रदान किए, स्थिरता की और आगे बढ़ने को प्रेरित किया, संघर्षरत बनाया और काफ़ी कुछ सिखाया भी।

अंततोगत्वा वह एक सशक्त मंच की आवश्यकता महसूस करता है, लिखता है, सतत लिखता है, अपनी कलम को धार देता है। पुस्तक प्रकाशन के उपरांत अमृतसर विश्वविद्यालय में गोपाल किरण समाजसेवी संस्था लेखक को सम्मानित करती है, जो कि संघर्ष के इस दौर में एकमात्र आशा की किरण रही।

इस पुस्तक को कई कोणों से विवेचित और विश्लेषित किया जा सकता है। अतिशयोक्ति नहीं होगी लेखक ने जिस प्रकार स्वयं को प्रस्तुत किया है, अपने अतीत और वर्तमान को पाठकों के समक्ष रखा है और वह भी पूरी ईमानदारी के साथ, प्रत्येक कलमकार के लिए मुश्किल ही नहीं, नामुमकिन भी है। लेखकीय भावना, पारदर्शिता एवं साहित्यिकता पुस्तक के आरंभ से अंत तक महसूस की जा सकती है। परिशिष्ट तक आते - आते और विशेष रूप से परिशिष्ट के अंतर्गत नवोदय के साथियों व गुरुजनों की सूची, लेखन की दृष्टि से पहली रचना, दरिया दर्शन, जानवरों से सीख, शरीर के अंगों का विवाद, कुदरत की कयामत, समय बड़ा बलवान है,श्रीकृष्ण उवाच इत्यादि जो विवरण है, अपने आपमें अनोखे हैं, जो लेखक की देश - दुनिया की घटनाओं पर पैनी दृष्टि के साथ - साथ अपने परिवेश के सूक्ष्म निरीक्षण एवं हृदय की सात्विकता के द्योतक है।

मैंने लेखक का आत्मकथ्य पढ़ा है, मैं पूर्व में ही बता चुका हूं कि मैं उससे अध्ययनकाल से ही जुड़ा हुआ हूं। वह जब भी किसी कार्य को करता है तो पूर्ण इच्छाशक्ति के साथ तन - मन और भावनाओं के समर्पण के साथ करता है। लेखन के माध्यम से स्वयं को प्रस्तुत करने के पीछे आत्मनिर्भर बनने के ध्येय को महसूस किया जा सकता है। निश्चय ही वह कहीं न कहीं इंगित करता है कि परिस्थितियां सदैव एक सी नहीं रहती, उतार - चढ़ाव व्यक्तिव को सजाते - संवारते हैं, निखारते हैं और संघर्ष समाज में पहचान दिलाने के साथ प्रेरणा भी प्रदान करते हैं। लेखक के जीवनमूल्यों एवं प्रेरणा में उसके दादाजी के व्यक्तित्व एवं विचारों तथा उनकी माताजी की सीख का गहरा प्रभाव है। अतः उनके विचारों की अनुगूंज लेखक के लेखन में भी ध्वनित होती है।

मैंने पांडुलिपि पर दृष्टि डालते हुए यह भी महसूस किया कि लेखक भाषा के व्यवहार में अतिरिक्त औपचारिकता नहीं दिखाता है, वह जैसा महसूस करता है ठीक वैसा ही प्रस्तुत करता है, फिर भी उसका लेखन साहित्यिक गंभीरता एवं वैचारिक परिपक्वता का परिचायक है। लेखन के प्रत्येक पहलू में ऐसा कुछ भी नहीं है, जो विवादास्पद हो, अतार्किक हो, असहज हो या उलझाव को बढ़ावा देने वाला हो। सहजता और सरलता से लेखक अपने आपको पाठकों और विचारकों के समक्ष प्रस्तुत करता है, जो कि इतना सहज कार्य नहीं है। आत्मकथा या संस्मरण लिखते - लिखते अधिकांश कलमकार तो बहक जाते हैं, जिसपर नियंत्रण करना भी मुश्किल होता है, जिससे लेखक तथा लेखन दोनों पर प्रश्नचिन्ह लग जाता है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि इस आत्मकथात्मक या संस्मरणात्मक पुस्तक का लेखक जिस प्रकार स्वयं को क्रमवार व्याख्यायित करता है, वह प्रशंसनीय तो है ही, प्रत्येक प्रबुद्ध व्यक्तित्व के साथ - साथ आमजन के लिए भी एक प्रेरणादाई विशिष्ट ग्रन्थ रूप में भी है।

अंततः मैं लेखक को इस अद्भुत सृजन हेतु बधाई एवं आशीष देने के साथ ही कहना चाहूंगा कि इस पुस्तक या आत्म कहानी को पढ़ना जीवन की यथार्थता से साक्षात्कार करने के समान है। यह पुस्तक लेखन की ऊंचाइयों का आभास तो कराती ही है, साथ ही लेखक के जीवन के विभिन्न सोपानों को क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत भी करती है, जो कि अद्भुत है। लेखक का अतीत और उससे जुड़ा बिखराव, तनाव, ठहराव और फिर बिखराव जैसी स्थिति परन्तु फिर भी अदम्य इच्छाशक्ति के साथ खड़े होना महाकवि निरालाजी की सरोज स्मृति की पंक्तियों का स्मरण करवाता है, वे लिखते हैं --

÷दुख ही जीवन की कथा रही,
क्या कहूं आज जो नहीं कही।

सदा खुश रहो मेरे आत्मीय। शुभाशीष !

पंकज मिश्र अटल
हिंदी शिक्षक
जवाहर नवोदय विद्यालय
मितौली, लखीमपुर खीरी
उत्तर प्रदेश - 262727

विशेष – भावना मंगलमुखी एक ट्रांसजेंडर लेखिका है। अब तक इनकी चार पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी है -- 1. वर्तमान विडम्बनाएं एवं यथार्थ, 2. मेरे सपनों का भारत, 3. आध्यात्म से तर्क की ओर तथा 4. जिंदगी के रंग परिस्थिति के संग - एक अविरल संघर्ष की दास्तां। उपरोक्त चारों ही पुस्तकें अमेज़ॉन एवं फ्लिपकार्ट दोनों ही पटलों पर उपलब्ध है। साथ ही फ्लिपकार्ट सिर्फ़ आपको निःशुल्क घर पहुंच सेवा के साथ कॉम्बो ऑफर भी प्रदान करता है।

सांचौर : दबंगों ने दलित दूल्हे को पीटा, घोड़ी ले गए... एसपी की मौजूदगी में फेरे

सांचौर(जालोर)। जालोर के हरियाली गांव में दलित दूल्हे पीटने और घोड़ी से उतारने का मामला सामने आया है। तोरण की रस्म से पहले आए दबंगों ने दूल्हे को उतारा और घोड़ी साथ ले गए। हालात तनाव पूर्ण हुए तो एसपी ज्ञानचंद यादव मौके पर पहुंचे। इसके बाद एसपी और कई थानों की पुलिस की मौजूदगी में शादी कराई गई। इधर, बुधवार को सुबह पुलिस ने 3 दबंगों को गिरफ्तार कर लिया है। केस के मुताबिक, हरियाली गांव में सुरेश कुमार के यहां शादी थी। बालोतरा निवासी सुनील बारात लेकर पहुंचा। दूल्हा घोड़ी पर बैठा था और तोरण की रस्म चल रही थी। तभी बलवंत सिंह और महिपाल सिंह 5 साथियों के साथ पहुंचे। सभी सुरेश कुमार के घर में जबरन घुसे और बारातियों को पीटने लगे। इसके बाद दूल्हे को जबरन घोड़ी से नीचे उतारा और पीटा। बीच-बचाव करने आए बरातियों और स्थानीय लोगों को भी गालियां दीं और धमकाया।

फरी-फरी तुम आज बता दो,
तुंहर हे घोड़ी से काय संबंध।
सूद्र दूल्हा जब-जब चघथे,
तुम काबर बगराथो दुर्गंध।।
बहिनी,बेटी,मोसी ,फूफू,
कुछ न कुछ तो नाता हे।
प्रतिलोम बिहाव के विरोध हे,
या जातिवाद के कांटा हे।।

लक्ष्मी नारायण कुम्भकार सचेत दुर्ग (छ0ग0)

ग्राम सर्रा में संयुक्त रूप से मनाई गई

संत रविदास और माता रमाबाई की जयंती

गैरतगंज। अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष व सामाजिक कार्यकर्ता अतर सिंह भारतीय ने युवा प्रदेश को बताया कि दिनांक 20 फरवरी 2025 को ग्राम सर्रा, तहसील गैरतगंज, जिला रायसेन मध्य प्रदेश में परम पूज्य बोधिसत्व संत शिरोमणि जगत गुरु रविदास जी महाराज एवं त्यागमूर्ति माता रमाबाई अंबेडकर जी की जयंती का पखवाड़ा कार्यक्रम संयुक्त रूप से ग्रामवासियों के द्वारा बड़े धूम धाम से मनाया गया। जिसमें सतगुरु रविदास जी महाराज की आध्यात्मिक अमृतवाणी का प्रवचन मध्य प्रदेश स्तर के अमृतवाणी प्रचारक महान संत श्री राधाकिशन दास जी महाराज के मुखारविंद से प्रवचन किए गए। कार्यक्रम दोपहर 12 बजे से प्रारंभ हुआ। जिससे लोगों ने सपरिवार पधारकर शिरकत की। श्री भारतीय ने बताया कि जिले के वरिष्ठ समाज सेवी धनराज अहिरवार व धर्मेंद्र अहिरवार के मार्गदर्शन में ग्राम सर्रा में रायसेन, सागर, विदिशा तथा भोपाल जिले के सैकड़ों लोगों ने अमृत वाणी को श्रवण पान कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम के विशेष अतिथि चौधरी अमानसिंह नरवरिया जी संस्थापक एवं संयोजक अहिरवार समाज संघ, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष माधव सिंह अहिरवार अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन, विद्या भारती बौद्ध, सामाजिक कार्यकर्ता भोपाल, डॉ धर्मेंद्र अहिरवार भीम आर्मी आज़ाद समाज पार्टी व जनपद प्रतिनिधि औबेदुल्लागंज, राजकुमार अहिरवार जिला अध्यक्ष भीम सेना रायसेन उपस्थित रहे। सामाजिक कार्यकर्ता अतर सिंह भारतीय ने आयोजक समिति व उपस्थित जनों को सफल कार्यक्रम एवं जयंती की हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं प्रेषित की।

चहल डिवोर्स: धनश्री को 60 करोड़ एलिमनी देंगे चहल!

नई दिल्ली, एजेंसी। जब से क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और उनकी पत्नी धनश्री वर्मा के तलाक की अफवाहें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं, तब से यह जोड़ी व्यापक विवाद का केंद्र बनी हुई है। इन अटकलों ने अब कथित तौर पर गुजारा भत्ता (एलिमनी) की भारी मांग को जन्म दे दिया है। हाल ही में सोशल मीडिया पर चल रही अटकलों के अनुसार युजवेंद्र चहल के प्रशंसकों ने दावा किया है कि क्रिकेटर को तलाक के लिए धनश्री वर्मा को 60 करोड़ का भारी भरकम गुजारा भत्ता देना होगा।

लेकिन क्या प्रशंसकों की ये अटकलें सच हैं

नहीं, अटकलें सच नहीं हैं क्योंकि तलाक की अफवाहों को लेकर दोनों की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। हालांकि धनश्री वर्मा ने ऐसे समय में बेबुनियाद दावे फैलाने वालों की आलोचना की थी, जब यह अफवाहें जोरों पर थीं। अभी तक कोई तलाक नहीं हुआ है, इसलिए गुजारा भत्ता का कोई दावा सच नहीं है।

तलाक की अफवाहों पर युजवेंद्र चहल

इससे पहले जनवरी में युजवेंद्र चहल ने इंस्टाग्राम स्टोरी में अपनी चुप्पी तोड़ी थी और कहा था कि उन्होंने कुछ सोशल मीडिया पोस्ट पर ऐसे मामलों पर अटकलें लगाई जो सच हो भी सकती हैं और नहीं भी। यह कहते हुए कि वह हाल की घटनाओं खासकर मेरे निजी जीवन के बारे में लोगों की जिज्ञासा को समझते हैं। चहल ने कहा, एक बेटे, एक भाई और एक दोस्त के तौर पर, मैं सभी से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करता हूं कि वे इन अटकलों में शामिल न हों, क्योंकि इनसे मुझे और मेरे परिवार को बहुत दुख पहुंचा है।

चहल और धनश्री के तलाक की अफवाहों के पीछे का कारण

धनश्री वर्मा और युजवेंद्र चहल के तलाक की अफवाहें तब शुरू हुईं जब इस जोड़े ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया। इतना ही नहीं भारतीय क्रिकेटर ने धनश्री के साथ अपनी सारी तस्वीरें भी डिलीट कर दी हैं। हालांकि धनश्री ने भी इंस्टाग्राम पर युजवेंद्र को अनफॉलो कर दिया है, लेकिन उन्होंने उनके साथ कोई तस्वीर नहीं हटाई है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा भी किया गया है कि इस जोड़े के बीच तलाक अपरिहार्य है और इसे आधिकारिक होने में बस कुछ ही समय बाकी है। गौर हो कि धनश्री वर्मा और युजवेंद्र चहल ने दिसंबर 2020 में गुरुग्राम में शादी की थी। दोनों की मुलाकात महामारी के दौरान हुई थी जब चहल ने उनसे डांस प्रैक्टिस के लिए संपर्क किया था।

दिग्गज खिलाड़ी ने अचानक लिया पत्नी से तलाक

14 साल पुरानी शादी तोड़कर फैंस से कही बड़ी बात

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते कुछ दिनों से भारतीय क्रिकेट के दो बड़े खिलाड़ी वीरेंद्र सहवाग और युजवेंद्र चहल के तलाक की खबरें सुर्खियां बटोर रही हैं. हालांकि दोनों के तलाक पर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है. लेकिन इसी बीच दक्षिण अफ्रीका के एक पूर्व खिलाड़ी का तलाक हो गया है. पूर्व खिलाड़ी जेपी डुमिनी ने अपनी पत्नी से तलाक ले लिया है और इसकी जानकारी उन्होंने अपने फैंस के साथ सोशल मीडिया पर शेयर की है. साथ ही प्राइवेसी की मांग भी की. जेपी डुमिनी ने सोमवार, 17 फरवरी को अपने फैंस के साथ सोशल मीडिया पर एक दिल तोड़ने वाली खबर शेयर की है. डुमिनी अपनी पत्नी सू डुमिनी से शादी के 14 साल बाद अलग हो चुके हैं. डुमिनी और सू ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी करके अपने तलाक की पुष्टि की है. डुमिनी ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर एक पोस्ट शेयर की है. इसमें डुमिनी और सू का बयान है. इसमें लिखा, 'बहुत विचार-विमर्श के बाद, सू और मैंने अलग होने का फैसला किया. हम भाग्यशाली थे कि हमने अपनी शादी के दौरान कई यादगार पल एक साथ बिताएं और हमें दो खूबसूरत बेटियों का आशीर्वाद मिला. इस समय, हम प्राइवेसी की मांग करते हैं क्योंकि हम इस बदलाव को नेविगेट कर रहे हैं. चाहे हमारे रास्ते अलग-अलग हो गए हो लेकिन हम दोस्त बने रहेंगे, हमारा अलगाव सौहार्दपूर्ण है. इस दौरान आपकी समझ और समर्थन के लिए धन्यवाद. जेपी और सू'.

जेपी डुमिनी का पूरा नाम जीन पॉल डुमिनी हैं. उनका जन्म 14 अप्रैल 1984 को दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन में हुआ था. डुमिनी साउथ अफ्रीका की टी-20 टीम के उपकप्तान भी रह चुके हैं. उन्होंने तीनों ही फॉर्मेट में साउथ अफ्रीका का प्रतिनिधित्व किया है और इस दौरान उन्होंने 9 हजार से ज्यादा रन बनाए और 130 से ज्यादा विकेट चटकाए. इस पूर्व खिलाड़ी ने साल 2011 में अपने वैवाहिक जीवन की पारी शुरुआत की थी जो अब 14 साल बाद खत्म हो चुकी है.

चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले बखेड़ा...

कराची में नहीं लगा भारत का झंडा, पाकिस्तान ने किया नियमों का उल्लंघन

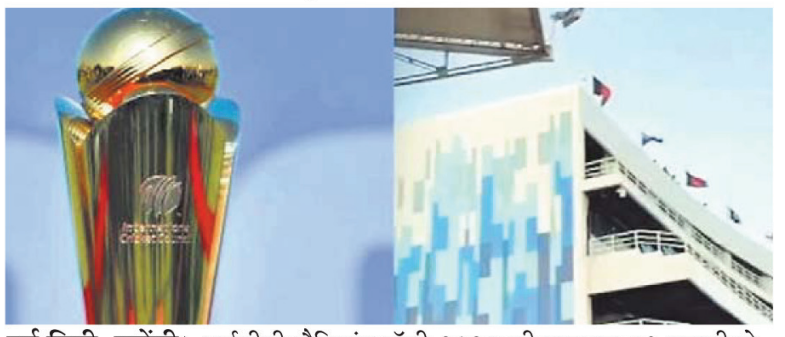

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 की शुरुआत 19 फरवरी से हो रही है. इसके मुकाबले पाकिस्तान के तीन शहरों (लाहौर, कराची और रावलपिंडी) और दुबई में खेले जाएंगे. टूर्नामेंट का ओपनिंग मुकाबला कराची में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच होना है. जबकि भारतीय टीम अपना पहला मुकाबला 20 फरवरी को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में बांग्लादेश से खेलेगी.चैम्पियंस ट्रॉफी की शुरुआत से पहले एक नया विवाद खड़ा हो गया है. दरअसल एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है, जो कराची के नेशनल स्टेडियम का है. इस वीडियो में देखा जा सकता है कि कराची के नेशनल स्टेडियम की छत पर चैम्पियंस ट्रॉफी में भाग लेने जा रहे 7 देशों के झंडे लगे हुए हैं, जबकि भारत का तिरंगा गायब है. इस घटनाक्रम ने फैन्स को हैरान कर दिया है. कराची के नेशनल स्टेडियम में न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका, अफगानिस्तान, पाकिस्तान और इंग्लैंड जैसी टीमों के मैच आयोजित किए जाएंगे. वायरल वीडियो के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर इस बात को लेकर बहस शुरू हो गई है कि आखिर भारत का तिरंगा क्यों नहीं लगा. कुछ लोग दलील दे रहे हैं कि भारतीय टीम पाकिस्तान में कोई भी मुकाबला नहीं खेलेगी, इसी चलते ऐसा किया गया. लेकिन ये थोड़ा आश्चर्यजनक लगता है.

हार्दिक पंड्या चैंपियंस ट्रॉफी में रच सकते हैं इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी हार्दिक पंड्या चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम के लिए अहम साबित हो सकते हैं. एक तो मध्यक्रम में उतरकर ताबड़तोड़ बैटिंग करना और फिर गेंदबाजी में टीम को हेल्प करना इस ऑल राउंडर खेल के चलते हार्दिक पर काफी दारोमदार रहेगा. 50 ओवर फॉर्मेट में खेली जाने वाली चैंपियंस ट्रॉफी में वो गेंद और बल्ले दोनों से ही धमाल मचाएंगे. अगर उनका बल्ला उनके चिर परिचित अंदाज में रंग जमाता है तो हार्दिक चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में एक बड़ा कारनामा कर देंगे. पंड्या की निगाहें चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले बल्लेबाज बनने पर टिकी होगी. ऐस होता है तो वो क्रिस गेल से 'सिक्सर किंग' का ताज छीन लेंगे और सौरव गांगुली की 'दादागिरी' का भी अंत कर देंगे.

गांगुली के नाम चैंपियंस ट्रॉफी में सबसे ज्यादा छक्के

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज सौरव गांगुली द्वष्टष्ट चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज हैं. 'दादा' के नाम से मशहूर गांगुली ने इस टूर्नामेंट में 13 मैचों की 11 पारियों में 73 के औसत से 665 रन बनाए. इस दौरान उन्होंने सबसे ज्यादा 17 छक्के लगाए.

गेल से भी छीनेंगे 'सिक्सर किंग' का ताज

वेस्ट इंडीज के पूर्व धाकड़ खिलाड़ी क्रिस गेल लंबे-लंबे छक्के लगाने के लिए जाने जाते हैं. वो चैंपियंस ट्रॉफी में दूसरे सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले खिलाड़ी हैं. उन्होंने 17 मैचों में 791 रन बनाते हुए 15 सिक्स लगाए हैं. तीसरे नंबर पर इंग्लैंड के इयॉन मॉर्गन (14 सिक्स), चौथे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉटसन (12 सिक्स) और पांचवे नंबर पर 11 सिक्सेस के साथ इंग्लैंड के पॉल कॉलिंगवुड मौजूद हैं.

नंबर 1 बनने के लिए चाहिए 8 छक्के

चैंपियंस ट्रॉफी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में फिलहाल हार्दिक पंड्या छठे नंबर पर बने हुए हैं. भारत के इस खिलाड़ी ने सिर्फ एक ही चैंपियंस ट्रॉफी (2017) खेली है. उन्होंने पांच मैचों की तीन पारियों में 105 रन बनाए. इस दौरान हार्दिक ने 10 छक्के लगाए थे.

प्रो हॉकी लीग में भारत की शानदार वापसी, स्पेन को दूसरे मैच में 2-0 से हराया

भुवनेश्वर, एजेंसी। रविवार को भारतीय टीम अलग नजर आई। उसने मनदीप सिंह (32वां मिनट) और दिलप्रीत सिंह (39वां मिनट) की मदद से गोल कर पूरे तीन अंक बटोरे। भारतीय हॉकी टीम ने शानदार वापसी करते हुए एफआईएच प्रो लीग के रिटर्न मैच में स्पेन को 2-0 से हरा दिया। एक दिन पहले उसे स्पेन से 1-3 से हार का सामना करना पड़ा था। रविवार को भारतीय टीम अलग नजर आई। उसने मनदीप सिंह (32वां मिनट) और दिलप्रीत सिंह (39वां मिनट) की मदद से गोल कर पूरे तीन अंक बटोरे।

महिला हॉकी लीग में इंग्लैंड ने भारत को 2-1 से हराया

भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग के मैच में रविवार को इंग्लैंड से शूटआउट में 1-2 से हार गई जबकि निर्धारित समय तक स्कोर 2-2 से बराबर था। इंग्लैंड के लिए निर्धारित समय में पेजी गिलोट (40वां मिनट) और टेसा हॉवर्ड (56वां) ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किए। भारत के लिए नवनीत कौर (53वां) और रूतुजा दादोसा पिसल (57वां) ने गोल किए। नवनीत ने पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल किया जबकि रूतुजा का मैदानी गोल था। शूटआउट में नवनीत ही भारत के लिए गोल कर सकी जबकि कप्तान सलीमा टेटे, सुनेलिता टोप्पो और लालरेम्सियामी नाकाम रहे। इंग्लैंड के लिए लिली वाकर और कप्तान सोफी हैमिल्टन ने गोल दागे।

भारत को चैंपियंस ट्रॉफी से पहले करारा झटका, चोटिल हुआ स्टार खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए दुबई पहुंच गई है और प्रैक्टिस भी शुरू कर दी है. भारत का पहला मैच बांग्लादेश से है, जो कि 20 फरवरी को खेला जाएगा. लेकिन टीम इंडिया को इससे ठीक पहले करारा झटका लगा है. एक रिपोर्ट के मुताबिक विकेटकीपर बैटर ऋषभ पंत चोटिल हो गए हैं. पंत को प्रैक्टिस के दौरान घुटने में चोट लगी है. हालांकि इस मामले पर अभी तक भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आयी है.

रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम इंडिया 23 फरवरी को पाकिस्तान के खिलाफ मैदान पर होगी. इससे पहले बांग्लादेश से मुकाबला होगा. एक खबर के मुताबिक ऋषभ पंत को घुटने में चोट लगी है. वे चोट की वजह से काफी परेशान दिखे. पंत चोट लगने के तुरंत बाद मैदान पर लेट गए. हालांकि इस दौरान भारतीय टीम के फिजियो उनके पास ही थी. पंत की चोट कितनी गंभीर है, इसका अभी पता नहीं चल सका है.ऋषभ पंत का दिसंबर 2022 में कार एक्सीडेंट हुआ था. इस एक्सीडेंट में उनको गंभीर चोट लगी थी. पंत के घुटने में काफी गंभीर चोट लगी थी. उन्होंने ठीक होने के बाद कमबैक किया. लेकिन अब फिर से घुटने पर चोट लग गई है.

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक** :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)